

K-1096

Total Page No. : 5]

[Roll No.]

FCECD-02

**Foundation Course in Special Education
Examination Dec., 2023**

**EARLY IDENTIFICATION, ASSESSMENT
AND INTERVENTION**

Time : 2 Hours]

[Max. Marks : 100

Note :- This paper is of Hundred (100) marks divided into two (02) Sections 'A' and 'B'. Attempt the questions contained in these Sections according to the detailed instructions given there in. Candidates should limit their answers to the questions on the given answer sheet. No additional (B) answer sheet will be issued.

यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।

K-1096

(1)

P.T.O.

Section–A

(खण्ड–क)

Long Answer Type Questions

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

2×26=52

Note :- Section 'A' contains Five (05) Long-answer type questions of Twenty Six (26) marks each. Learners are required to answer any *two* (02) questions only.

खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. What do you understand by language and communication development ? Mention the factors related to language development.

भाषा व संप्रेषण विकास से आप क्या समझते हैं ? भाषा विकास से सम्बद्ध कारकों का उल्लेख कीजिए।

2. Explaining cognitive development in early childhood, describe the four stages of cognitive development according to Piaget.

आरंभिक बाल्यावस्था में ज्ञानात्मक विकास को समझाते हुए पियाजे के अनुसार ज्ञानात्मक विकास के चार चरणों का वर्णन कीजिए।

3. Describe in detail the importance and need of early identification and evaluation.

शीघ्र पहचान और मूल्यांकन के महत्व और आवश्यकता का विस्तारपूर्वक वर्णन कीजिए।

4. Describe the roles played by each person (parent or professional) in the early years of a child's development.

बच्चे की प्रगति के प्रारंभिक वर्षों में प्रत्येक व्यक्ति (माता-पिता या पेशेवर) द्वारा निभाई जाने वाली भूमिकाओं का वर्णन कीजिए।

5. Describe the important role of various agencies and organizations that help in the rehabilitation process of early childhood.

आरंभिक बाल्यावस्था की पुनर्वास प्रक्रिया में सहायक विभिन्न अभिकरणों (एजेंसियों) व संगठनों की महत्वपूर्ण भूमिका का वर्णन कीजिए।

Section-B

(खण्ड-ख)

Short Answer Type Questions

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

4×12=48

Note :- Section 'B' contains Eight (08) Short-answer type questions of Twelve (12) marks each. Learners are required to answer any *four* (04) questions only.

K-1096

(3)

खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. Explain the various models of early intervention.
शीघ्र हस्तक्षेप के विभिन्न मॉडलों की व्याख्या कीजिए।
2. Write an assessment report of a child studying in pre-primary.
प्री-प्राइमरी में पढ़ने वाले बच्चे की असेसमेंट रिपोर्ट लिखिए।
3. Explain the Indian scale used in planning early intervention programmes.
शीघ्र हस्तक्षेप कार्यक्रम की योजना बनाने में प्रयोग होने वाले भारतीय पैमाने की व्याख्या कीजिए।
4. What is meant by social development ? Mention the eight stages of life cycle propounded by Ericsson.
सामाजिक विकास से क्या अभिप्राय है ? एरिकसन द्वारा प्रतिपादित जीवन चक्र के आठ चरणों का उल्लेख कीजिए।
5. Mention the guidelines for identification and assessment of students with low vision in the classroom.
कक्षा में अल्प दृष्टि वाले विद्यार्थियों की पहचान व निर्धारण के लिए दिशा निर्देशों का उल्लेख कीजिए।

6. Write about the importance of gross and fine motor development in early childhood.

प्रारंभिक बाल्यावस्था में सकल और सूक्ष्म गतिक विकास के महत्व के बारे में लिखिए।

7. Explain the functional assessment checklist for programming (FACP – NIMH)

प्रोग्रामिक के लिए कार्यात्मक मूल्यांकन चेकलिस्ट की व्याख्या कीजिए।

8. Describe the types of early intervention.

शीघ्र हस्तक्षेप के प्रकारों का वर्णन कीजिए।
